जून २०१६ विवरण

१) **गृहमंत्री+मुख्य सचिव को पत्र लिखने + ७ नवंबर कार्यक्रम करने बात हुई/मेल किया** : क) अंजना दीदी से गायत्री परिवार ख) सह संपादक प्रेम लक्कड़जी से गीताप्रेस-लेख छापने ग) गंगासिंहजी, संपादक गौधन, घ) प्रदीप जी गौ गौग्रास च) महंत प्रदीपदास- कबीर आश्रमों छ) शिवजी योगी - बिहार हेतु १०० पत्र ज) श्रीमती शोभा पोद्दार-मुरारी बापू, रमेश भाई आदि बड़े संतो से निवेदन करने।

२) **यात्रा** : क) ताराकांत जी, हरिनामजी के साथ ऋषिकेश २३ जून, संतो ने बैठक में सम्मिलित हुए। हरिद्वार + ऋषिकेश में अनेक संतो को पत्र लिखने + ७ नवंबर कार्यक्रम करने का पत्र दे कर आये। ख) योगेन्द्र मिश्रा लम्बी छुट्टी पर जायेंगे - शायद न लौटें।

३) **पत्र लिखे गये** : क) तेलंगाना के मुख्य मंत्री ख) मुख्य न्यायधीश पुनः पत्र लिखा गया ग) नागाबाबा हेतु चारे की व्यवस्था करने पत्र बना। घ) सदस्यों के नाम पत्र बना। च) गृहमंत्री छ) मुख्य सचिव ज) चार्टर्ड अकाउंटेंट और कंपनी सेक्रेटरी के नाम (बैठकों में पत्र पढ़ कर सुनाये गये)

४) **उल्लेखनीय कार्य** : क) सिलीगुड़ी से प्रभुजी सैंपल लाये। ख) सूचि टंकित होनी लगी, ग) ३०० सदस्यों को पत्र गये घ) मुख्य सचिव पत्र लगा च) खिल्कापुर गौशाला को स्वावलंबी बनाने प्रबंध समिति का निर्माण प्रयास शुरू हुआ छ) श्री प्रह्लादरायजी गोयनका को गंगा के किनारे ५ पेड़ लगवाने कहा ज) विजयनगर के श्री एल के जैन, मोटवानी जी मददसे हाईकोर्ट में केस करेंगे । झ) नागा बाबा के प्रतिनिधि संत रितेश मिश्राजी के साथ अनेक स्थानों पर चारे सहयोग हेतु गये। ट) **७ नवंबर का बैनर बना,** ऋषिकेश गया, अनेक जगह लगा। ठ) श्री वशिष्ट नारायण पांडे और ओ पी दुबे जी संपर्क करने राजकुमार जी के साथ जाने तैयार।

५) **आश्वासन: क)** श्री रामनरेश त्रिवेदी ने ५००० प्रतिमाह अगले माह से देने का आश्वासन दिया। ख) नीलमजी ५ मंदिरों में बैनर लगवा देंगी।

६) **कामधेनु हवन -** क) ७ तारीख सुमन मुरारका ख) १९ तारीख नंदू बाबू , ग) २६ जून सर्वोदय कार्यालय में

६) **लेख बने - क)** एक दिन का समर्पण ले सकता है कायाकल्प जैसा परिवर्तन **ख)** प्रतिमाह लें ५००-५००० का सामान, बनायें गाय माता को सोने की खान।

७) **बैठक : क) सर्वोदय में** चारों शनिवार ख) मासिक बैठक २६/६ ग) १९ और २६ जून हॉर्टिकल्चर गार्डन में

८) **सुझाव आया**: सुप्रीम कोर्ट ही जाना चाहिये। ७ नवंबर का स्मरण किया गया। बूढ़े बैलों की समस्या का समाधान की चर्चा हुई कि बैलों से बिजली बने और मरणोपरांत गौवंश को गाड़ कर खाद बनाई जाये या पेड़ लगायें जायें। सम्बंधित व्यक्ति को लिखा जाये। भारत विकास परिषद + जैन समाज को संपर्क किया जाये।

९) **विशेष प्रभुकृपा :** क) गौहाटी से अनीताजी धूप का प्रयोग अनेक वर्षो से कर रही हैं, लाभ हुआ अतः प्रचार हेतु २०००० की धूप आदि मंगाई। ख) श्री संतोष सराफ ने ५० पैकट कंडे मंगाये ग) प्रीति चंदन और स्वेता मोट ने २-२ बड़े डब्बे मंगाए घ) श्रीमती संतोष शेखर ने दिल्ली से ५१००+सरोज तुल्सान ने ५०० भेजे। च) मिश्राजी ने कुम्भ की रिपोर्ट सुनाई छ) अपरेशदा+सतीश व्यास प्रचार करने तैयार

१०) **छपाई** : क) बकरीद हेतु और ७ नवंबर कार्यक्रम हेतु ५०० पत्र छपे। ख) बकरीद हेतु रंगीन पत्रक हिंदी, अंग्रेजी, बंगला में ३२००० छपा।

११) **निर्णय** : क) चौथे रविवार की जगह चौथे शनिवार कलकत्ता गौभक्तों की और पहले शनिवार गौशाला की मासिक बैठक हो।(श्रीकांतजी और सिंघानिया जी बुलायें तो ज्यादा अच्छा होगा) ख) प्राप्ताधिक्य का २०% पूज्य नागाबाबा और पूज्य अन्नासाहब जाधव को दिल्ली सत्याग्रह हेतु विनय पूर्वक भेजा जाये। ग) कामधेनु से हर माह रितेशजी को गंगा में गौमूत्र डालने १५०० भेजा जाये घ) कविवि का फंड राउरकेला में निवेश हो।

आर्थिक विवरण :

प्राप्ति : **सहयोग**: हनुमान प्रसाद पोद्दार-७०००, पुरुषोत्तम एजेंसीज ७०००, संतोष शेखर ५१००, काश्वी-१५००, सरोज तुलस्यान ५००, पार्थ-५००, धूप प्रचार- १४६८५, कंडा प्रचार-१००० कामधेनु हवन-१४६५ घी प्रचार–८४०; गुल्लकसे प्राप्ति-१३३३, **कुल - ४०९२३)**

खर्च : वेतन-२५८३०, गौशाला+संत सहयोग १४०००, छपाई-२११८४, डाक+कोरियर-२६१९, अतिथि-खर्च-संत रितेश-४७९०, शिव योगी-८५५); यात्रा खर्च -ऋषिकेश यात्रा-३८६५, उन्नाव यात्रा कैंसिल खर्च-७२० चाय-नाश्ता-२५३२, यातायात-१३०१, फोन-फैक्स-११५०, बिजली-३००, खुदरा-५७९, **कुल - ७९७२५)**

व्ययाधिक्य - ३८802

भावी योजना : १) गृहमंत्री+मुख्य सचिव को पत्र लिखाने २) ७ नवंबर २०१६, अनुष्ठान संपर्क+साझेदार ३) राउरकेला पंचकुल निर्माण ४) विनोबा जयंती हेतु पश्चिम बंग कृषि व् गौरक्षा संघ का सहयोग करना ५) **प्रचार**-कामधेनु हवन, गौचित्र, छोटी डायरी, शाकाहार पुस्तिका, नवग्रह धुप, हवन किट, कंडो पर शव दाह;वोट बैंक बनाने हेतु १ नोट १ वोट + सदस्य व् मासिक सहयोगी बढ़ाने हेतु प्रयास

आवश्यकतायें : १) समय दानी कार्यकर्त्ता; २) ७ नवं भागीदार ३) मासिक/वार्षिक सहयोगी ४) पंचकुल निवेशक ५) प्रतिमाह ५००-५००० के पंचगब्य क्रेता + उपहार दाता ताकि सभी गौशालाएँ स्वावलम्बी हो जायें।